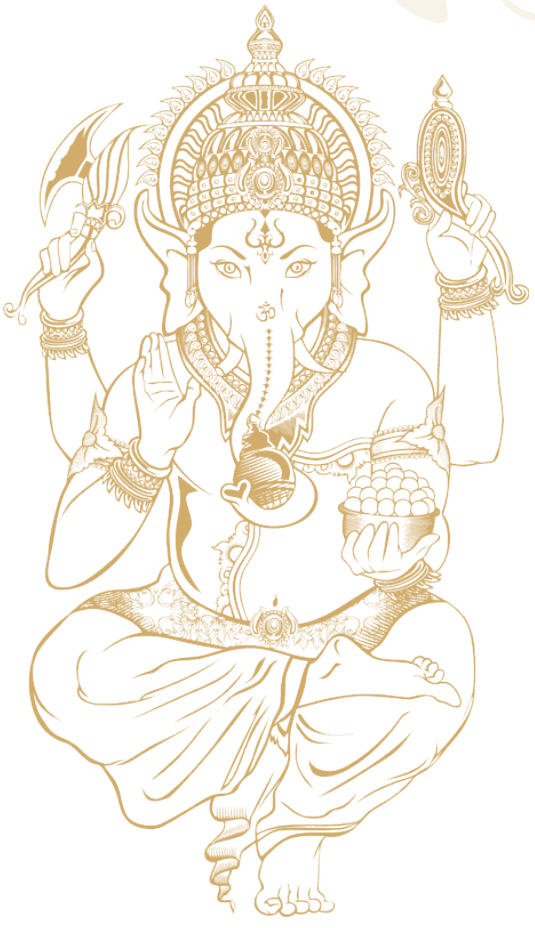

Hanuman gupta

Pallavi deshmukh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121870301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121870301 Date: 08/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/04/1978	जन्म तिथि	09/01/1985
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 12:02:00	जन्म समय	21:30:00 घंटे
घटी 14:18:34	जन्म समय(घटी)	35:39:30 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Pune
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	18:34:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	73:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:34:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:34	सूर्योदय	07:08:56
18:57:09	सूर्यास्त	18:13:40
23:33:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:38:40

कर्क	लग्न	सिंह
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
सिंह	राशि	कर्क
सूर्य	राशि-स्वामी	चन्द्र
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	आश्लेषा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	4
ध्रुव	योग	प्रीति
बालव	करण	विष्टि
टे-टेकचंद	जन्म नामाक्षर	डो-डौली
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
वनचर	वश्य	जलचर
गौ	योनि	मार्जार
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
श्वान	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 7मा 21दि		01:01:11	कर्क	लग्न	सिंह	10:55:46	बुध 1वर्ष 5मा 7दि	
गुरु		06:16:17	मेष	सूर्य	धनु	25:42:14	चन्द्र	
10/12/2017		29:41:01	सिंह	चंद्र	कर्क	28:52:26	18/06/2019	
10/12/2033		09:58:02	कर्क	मंगल	कुंभ	18:06:37	18/06/2029	
गुरु	29/01/2020	22:20:38	मीन व	बुध	धनु	03:40:28	चन्द्र	17/04/2020
शनि	11/08/2022	07:41:37	मिथु	गुरु	धनु	29:50:00	मंगल	17/11/2020
बुध	16/11/2024	27:49:22	मेष	शुक्र	कुंभ	12:17:26	राहु	18/05/2022
केतु	23/10/2025	00:07:20	सिंह व	शनि	वृश्चि	01:52:20	गुरु	17/09/2023
शुक्र	23/06/2028	12:15:29	कन्या	राहु व	वृष	02:20:45	शनि	18/04/2025
सूर्य	11/04/2029	12:15:29	मीन	केतु व	वृश्चि	02:20:45	बुध	17/09/2026
चन्द्र	11/08/2030	21:27:30	तुला व	हर्ष	वृश्चि	22:12:04	केतु	18/04/2027
मंगल	18/07/2031	24:31:14	वृश्चि व	नेप	धनु	08:09:43	शुक्र	17/12/2028
राहु	10/12/2033	21:21:37	कन्या व	प्लूटो	तुला	10:52:45	सूर्य	18/06/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:33:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:38:40

लग्न-चलित

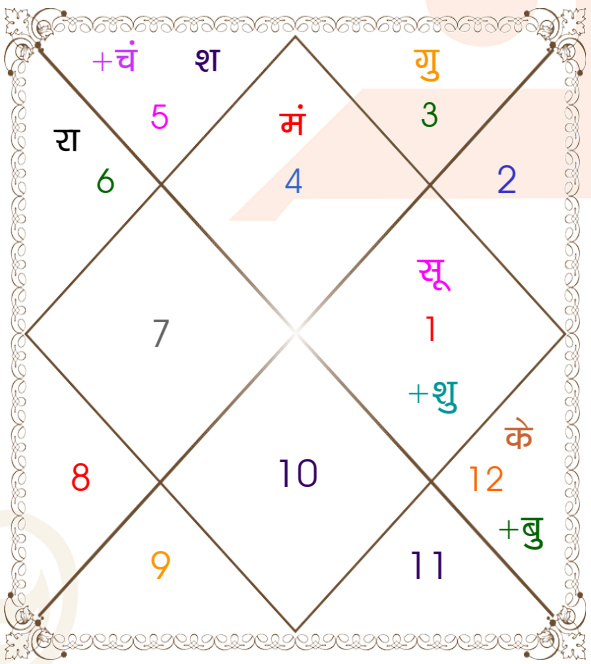

लग्न-चलित

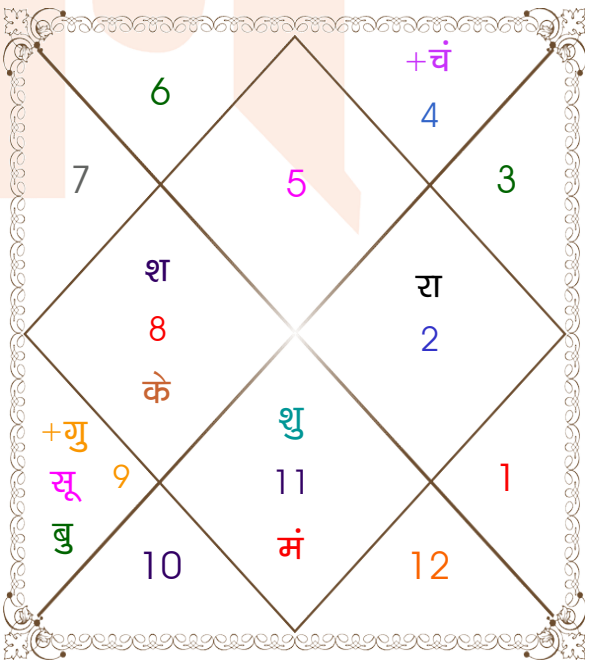

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : 17.5 / 36

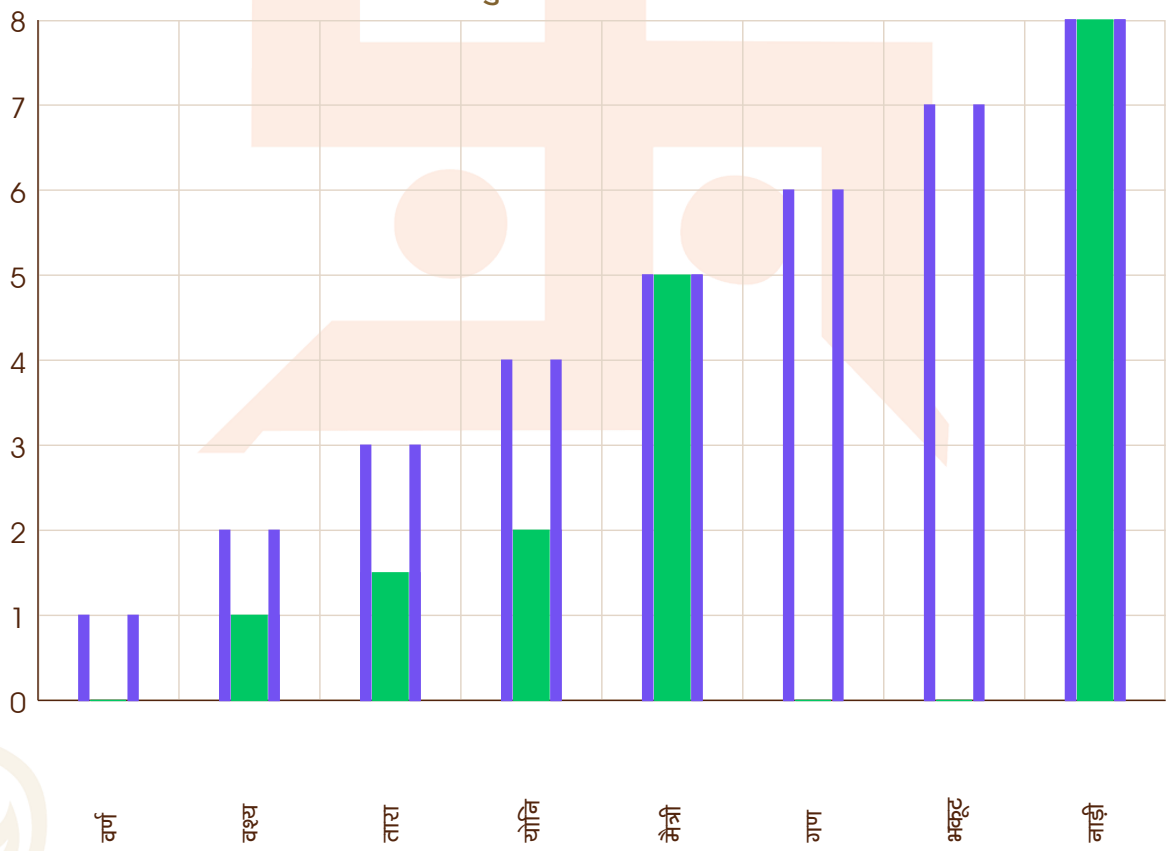

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ेंदनउंद हनचजं का वर्ग श्वान है तथा चंसरसंअप कर्मीउनाी का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ेंदनउंद हनचजं और चंसरसंअप कर्मीउनाी का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ेंदनउंद हनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ्;डडत्मजतवह;0ब्द्धझ0ब्द्धझ क्योंकि मंगल ेंदनउंद हनचजं कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

चंसरसंअप कर्मीउनाी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ेंदनउंद हनचजं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ेंदनउंद हनचजं तथा चंसरसंअप कर्मीउनाी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ंभ्दनउंद हनचजं का वर्ण क्षत्रिय तथा ंच्ससंअप कर्मीउनाी का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही ंच्ससंअप कर्मीउनाी हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना ंभ्दनउंद हनचजं एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

ंभ्दनउंद हनचजं का वश्य वनचर है एवं ंच्ससंअप कर्मीउनाी का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। दोनों एक-दूसरे के प्रति उदासीन रहेंगे तथा अपनी इच्छानुसार दोनों अपना जीवन निर्वाह करते रहेंगे। वनचर ंभ्दनउंद हनचजं एवं जलचर ंच्ससंअप कर्मीउनाी के बीच वैवाहिक संबंध करने से उनका वैवाहिक जीवन औसत ही माना जायेगा अर्थात न ही अच्छा और न ही बुरा। यद्यपि कि दोनों एक-दूसरे का ख्याल नहीं रखेंगे फिर भी अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन भली-भांति करते रहेंगे। इनका जीवन सामान्यतः नीरस ही रहेगा क्योंकि प्रेम एवं रोमांस के तत्व इनके जीवन से अनुपस्थित ही रहने वाले हैं।

तारा

ंभ्दनउंद हनचजं की तारा क्षेम तथा ंच्ससंअप कर्मीउनाी की तारा वध है। ंच्ससंअप कर्मीउनाी की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह ंभ्दनउंद हनचजं एवं ंच्ससंअप कर्मीउनाी दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। ंच्ससंअप कर्मीउनाी अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

ंभ्दनउंद हनचजं की योनि गौ है तथा ंच्ससंअप कर्मीउनाी की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में भंदनउंद हनचजं एवं चंससंअप कमींउनी दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि भंदनउंद हनचजं एवं चंससंअप कमींउनी के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण भंदनउंद हनचजं एवं चंससंअप कमींउनी जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

भंदनउंद हनचजं का गण मनुष्य तथा चंससंअप कमींउनी का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः चंससंअप कमींउनी का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण भंदनउंद हनचजं एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

भंदनउंद हनचजं से चंससंअप कमींउनी की राशि द्वादश भाव में स्थित है चंससंअप कमींउनी से भंदनउंद हनचजं की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में भंदनउंद हनचजं परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु चंससंअप कमींउनी का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। चंससंअप कमींउनी की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही चंससंअप कमींउनी तुरंत क्रोधित

होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

भ्ंदनउंद हनचजं की नाड़ी आद्य है तथा च्ंससंअप कमेीउनी की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। भ्ंदनउंद हनचजं की आद्य नाड़ी तथा च्ंससंअप कमेीउनी की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

भंदनउंद हनचजं की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा च्ंससंअप कमींउनी की जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से अग्नि एवं जलतत्व में शत्रुता एवं असमानता का भाव रहता है । अतः भंदनउंद हनचजं और च्ंससंअप कमींउनी के मध्य स्वाभाविक असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे वैवाहिक जीवन में अनावश्यक समस्याएं एवं विवाद उत्पन्न होंगे फलतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

भंदनउंद हनचजं की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा च्ंससंअप कमींउनी की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र है। अतः भंदनउंद हनचजं और च्ंससंअप कमींउनी के मध्य स्वाभाविक मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की वे उन्मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा गलतियों की उपेक्षा करेंगे। इससे उनके दाम्पत्य जीवन में परस्पर सदभाव आकर्षण एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के अस्तित्व को भी सम्मान प्रदान करेंगे। इसके प्रभाव से उनके स्वभावगत मतभेदों में भी न्यूनता आएगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

भंदनउंद हनचजं और च्ंससंअप कमींउनी की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती हैं। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर वैमनस्य तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। भंदनउंद हनचजं और च्ंससंअप कमींउनी परस्पर उग्रता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। ऐसी स्थिति में आर्थिक विषमता रहेगी । अतः यदि भंदनउंद हनचजं और च्ंससंअप कमींउनी किंचित धैर्य एवं बुद्धिमता का परिचय दें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

भंदनउंद हनचजं का वश्य वनचर तथा च्ंससंअप कमींउनी का वश्य जलचर है। वनचर एवं जलचर में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक अंतर भी समान रहेगा। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

भंदनउंद हनचजं का वर्ण क्षत्रिय तथा च्ंससंअप कमींउनी का वर्ण ब्राह्मण है। इसके प्रभाव से भंदनउंद हनचजं की प्रवृति पराक्रमी एवं साहसिक कार्यो के प्रति तत्पर होगी तथा च्ंससंअप कमींउनी शैक्षणिक धार्मिक एवं शास्त्रीय कार्यो में अधिक रूचिशील रहेंगी, अतः कार्य क्षेत्र की दृष्टि से ये उन्नति मार्ग पर अग्रसर रहेंगे ।

धन

भंदनउंद हनचजं और च्ंससंअप कमींउनी दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। भंदनउंद हनचजं और च्ंससंअप कमींउनी दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन

में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से ꣾदनउंद हनचजं की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि ꣾदनउंद हनचजं को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

ꣾदनउंद हनचजं आद्य तथा ꣽसंसंअप कर्मीउनाी अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। ꣾदनउंद हनचजं की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि ꣽसंसंअप कर्मीउनाी की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए ꣾदनउंद हनचजं और ꣽसंसंअप कर्मीउनाी को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ꣾदनउंद हनचजं और ꣽसंसंअप कर्मीउनाी का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ꣾदनउंद हनचजं और ꣽसंसंअप कर्मीउनाी के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ꣽसंसंअप कर्मीउनाी के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ꣽसंसंअप कर्मीउनाी को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ꣽसंसंअप कर्मीउनाी को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ꣾदनउंद हनचजं और ꣽसंसंअप कर्मीउनाी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ꣾदनउंद हनचजं और ꣽसंसंअप कर्मीउनाी का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

च्ंससंअप कमींउनी के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही च्ंससंअप कमींउनी सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि च्ंससंअप कमींउनी किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी च्ंससंअप कमींउनी को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण च्ंससंअप कमींउनी के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

भ्ंदनउंद हनचजं के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही भ्ंदनउंद हनचजं भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी भ्ंदनउंद हनचजं के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण भ्ंदनउंद हनचजं के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।